शीतलहर के चलते कलेक्टर सुविधानुसार स्कूल समय में करें परिवर्तनः डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने की युवा शक्ति मिशन, मकर संक्रांति, धान उपार्जन एवं जनकल्याण अभियान की समीक्षा

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मकर संक्रांति पर्व महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित करते हुए आयोजित किया जाए। इस अवसर पर लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत जनवरी माह की राशि का अंतरण शाजापुर के कालापीपल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सिंगल क्लिक से किया जाएगा।

मकर संक्रांति पर्व जिला स्तर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में महिलाओं को तिल, गुड़, कंगन और सुहाग सामग्री का वितरण किया जाएगा। डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में जनकल्याण अभियान, मकर संक्रांति, धान उपार्जन और युवा दिसव कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा करते हुए कहा कि शीत लहर को देखते हुए कलेक्टर सुविधा के अनुसार स्कूल समय में परिवर्तन करना चाहें तो तुरंत करें। उन्होंने कहा कि आगामी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए अधिकारी, छात्रों और पालकों के साथ स्कूल ही नहीं कॉलेज स्तर पर भी समन्वय स्थापित करें। आगामी सिंहस्थ की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में भोपाल, इंदौर, उज्जैन संभाग के अधिकारी प्रयागराज में महाकुंभ की व्यवस्थाओं का अध्ययन करें और देखें कि सिंहस्थ के दौरान हमारे प्रदेश में व्यवस्थित संचालन में वे व्यवस्थाएं किस प्रकार प्रभावशील हो सकती हैं।

मकर संक्रांति पर्व

मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति पर्व की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में एक-एक स्थान पर मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। 12 जनवरी को शाजापुर के कालापीपल में मुख्यमंत्री लाड़ली बहनों के खातों में जनवरी माह की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 12 से 14 जनवरी के मध्य जनकल्याण शिविरों में मकर संक्रांति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित होंगे।

धान का परिवहन करें तुरंत

डॉ. यादव ने धान उपार्जन की समीक्षा करते हुए कहा कि मौसम के बदलते हालात को देखते हुए उपार्जित धान को गोदामों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए तुरंत उसका परिवहन करें। उन्होंने कहा कि किसानों को उपार्जित धान के भुगतान के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करें। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि प्रदेश में 7.72 लाख पंजीकृत किसानों से 1400 उपार्जन केन्द्रों पर 36.89 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया। अभी तक 28.01 लाख मीट्रिक टन धान का परिवहन किया जा चुका है। इसके साथ मिलर्स द्वारा मीलिंग के पश्चात 1.60 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराए गए हैं।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याण अभियान की सार्थकता तभी है जब आम जनता की कठिनाईयों का त्वरित निराकरण कर सकें। कलेक्टर स्वयं मॉनीटरिंग करें कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं के लाभों से वंचित नहीं रहे। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में किए गए कार्यों की जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराएं, जिससे कार्यों का वास्तविक आंकलन किया जा सके। डॉ. राजौरा ने बताया कि 23.013 लाख आयोजित शिविरों में 25 लाख 70 हजार आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 87.9 प्रतिशत आवेदन स्वीकृत किए गए।

युवा दिवस पर होंगे कार्यक्रम

डॉ. यादव ने युवा दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करें। युवा दिवस पर प्रदेश के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं सामूहिक सूर्य नमस्कार के साथ प्राणायाम में भाग लेंगे। कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से 10.15 के मध्यम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद डॉ. यादव के संदेश एवं सूर्य नमस्कार की 12 मुद्राओं एवं प्राणायाम का प्रसारण किया जाएगा। प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर उनके व्यक्तित्व से युवाओं को अवगत कराया जाएगा। उन्होंने सभी कलेक्टरों को कार्यक्रम की मॉनीटरिंग किए जाने के निर्देश दिए हैं।

शीत लहर पर करें पुख्ता प्रबंध

मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर्स को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शीत लहर को दृष्टिगत रखते हुए सार्वजनिक स्थलों, बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन, मुख्य बाजार एवं रैन बसेरे आदि में अलाव की व्यवस्था करें। फुटपाथ एवं खुली जगह पर सोने वालों को किसी सुरक्षित स्थान पर रात्रि विश्राम के लिए भिजवाएं। जिले में आने वाले मुसाफिर एवं गरीब वर्ग का विशेष रूप से ध्यान रखें। शीतलहर से होने वाली सर्दी-खांसी एवं अन्य बीमारियों से बचाव के लिए जिला अस्पतालों में व्यवस्था करें और चिकित्सा शिविर आयोजित करें। इसके साथ ही प्रदेश में एचएमपीवी वायरस के रोकथाम के लिए विशेष सावधानी रखें और बचाव के उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करें।

भारत के स्वबोध में वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा : कानिटकर

भोपाल (काप्र)।

स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग एवं धरोहर पुरास्थेल, पुरावस्तु तथा सामाजिक संरक्षण संस्था के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हिंदवी स्वराज : स्वबोध की ऐतिहासिक यात्रा आयोजित की गई। संगोष्ठी को डॉ. सीमा यादव, केप्टन मीरा सिद्धार्थ दवे, डॉ. रवीन्द्र कन्हेरे, डॉ. हीरामन तिवारी एवं सिद्धार्थ दवे आदि वरिष्ठ वक्ताओं ने संबोधित किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुकुल कानिटकर ने स्वराज और स्वबोध को परिभाषित करते हुए कहा कि किसी भी देश को उसकी विविधता के साथ स्वीकार करना स्वबोध है। भारत का स्वनबोध भारतीयता को विश्व पर थोपना नहीं है, बल्कि भारत वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा में विश्वास करता है। यह स्वबोध प्रत्येक भारतीय में अपने आप आना चाहिए और भविष्य में यही विकसित, उन्नत, आत्मनिर्भर और ताकतवर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। समापन सत्र में डॉ. तिवारी ने प्राचीन भारतीय ग्रंथों में दी गई स्वत्व की अवधारणा को रामायण, महाभारत, गीता, उपनिषद् व पुराणों में दिये गये उदाहरणों के आधार पर समझाया और कहा कि स्वत्व की अवधारणा भारत में बहुत प्राचीनकाल से है और इन धर्मग्रंथों में दी गई है।

सटोरिया को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

भोपाल। बैरागढ़ स्थित चिरायु अस्पताल के पास क्रिकेट मैच पर सट्टा बुक कर रहे सटोरिए को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास मिले दो मोबाइल में लाखों रुपए के लेनदेन का हिसाब मिला है। साथ ही करीब आधा दर्जन से अधिक सट्टा बुक करने की आईडियां मिली हैं। पुलिस ने सट्टा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली की चिरायु अस्पताल के सामने पर्सियन दरबार के पास सेकंड होम रेस्टोरेंट के सामने बैरागढ़ निवासी विकास सत्तानी उर्फ गट्टी क्रिकेट मैच पर अवैध सट्टा बुक कर रहा है, और अवैध रूप से क्रिकेट मैच सट्टे की आईडी अन्य लोगों को लेता-देता है।

क्षेत्रीय रूपक महोत्सव का समापन...

संस्कृत नाटकों के माध्यम से प्रासंगिक मुद्दों की जीवंत झलक प्रस्तुत की

भोपाल (काप्र)।

क्षेत्रीय रूपक महोत्सव के समापन सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो रमाकांत पांडेय ने की। इस सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति प्रो. सी.जी. विजय कुमार मेनन, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो क्षेत्रवासी पण्डा तथा सारस्वत अतिथि के रूप में डॉ गोविंद गन्धे उपस्थित थे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में चल रहे क्षेत्रीय रूपक महोत्सव में आज द्वितीय दिन 5 नाटकों का मंचन किया गया। विकसतु एषा कलिका नाटक कवि कुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय ,नागपुर महाराष्ट्र द्वारा प्रस्तुत किया गया । नारी अस्मिता पर केंद्रित इस रूपक में स्त्रियों को साहसी होने और निर्भय जीवन जीने की प्रेरणा दी गई। वहीं हरियाणा संस्कृत विद्यापीठम,बाघोला, हरियाणा द्वारा प्रस्तुत प्रतिभा परीक्षण रूपक में वर्तमान समय के बच्चों को अपसंस्कृति के दुष्प्रभाव से बचाते हुए भारत के गौरवशाली परंपरा व संस्कृति का ज्ञान देने के चिंतन की बात कही गई। पद्मश्री त्रिवेणी कवि अभिराज

राजेंद्र मिश्र द्वारा लिखित इस एकांकी नाटक ने समस्त छात्रों को आत्म परीक्षण हेतु विवश कर दिया। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नव देहली ने रक्तदान को महादान बताने वाले महादानम् रूपक की प्रस्तुति दी ।कृषक जीवन की विडंबना को मंच पर सजीव करते हुए इस नाटक ने मानवीय मूल्यों को परिभाषित करते हुए रक्तदान को महादान बताया।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर ने विंधेश्वरी प्रसाद मिश्र, विनय द्वारा रचित नेतर्लिलायत नामक नाटक की प्रस्तुति दी। नेता द्वारा जनता को किस प्रकार अपने वश में किया जाता है, उन्होंने प्राचीन पारंपरिक ताने-बाने में इस विषय को उपस्थापित किया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने रमा चौधरी द्वारा रचित पल्लीकमल नाटक की प्रस्तुति दी। इसमें भी पुत्री संतान की महत्ता व माता-पिता के साथ उसके प्रेमिल रिश्तों पर चर्चा करते हुए वर चयन की बात कही गई है। अंतिम दिन इस प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया जिसमें प्रथम स्थान पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर द्वितीय स्थान पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर एवं तृतीय स्थान पर कवि कुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय नागपुर महाराष्ट्र, श्री एकरसानंद आदर्श संस्कृत महाविद्यालय मैनपुरी उत्तर प्रदेश रहे। इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता लखनऊ परिसर के आयुष मिश्रा को चुना गया तथा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री भोपाल परिसर की सुश्री साक्षी रैना रहीं। क्षेत्रीय रूपक महोत्सव के विजेता फरवरी 2025 में अखिल भारतीय रूपक महोत्सव में संस्कृत नाट्य प्रस्तुति देंगे।